

डॉक्टर इलिटिल और समुद्री डाकू

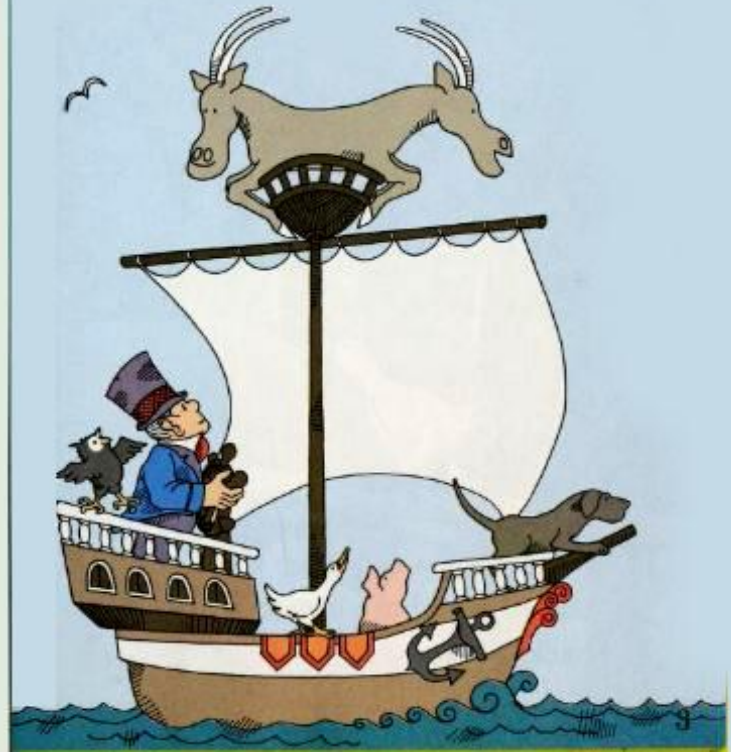




डॉक्टर इलिटिल और समुद्री डाकू



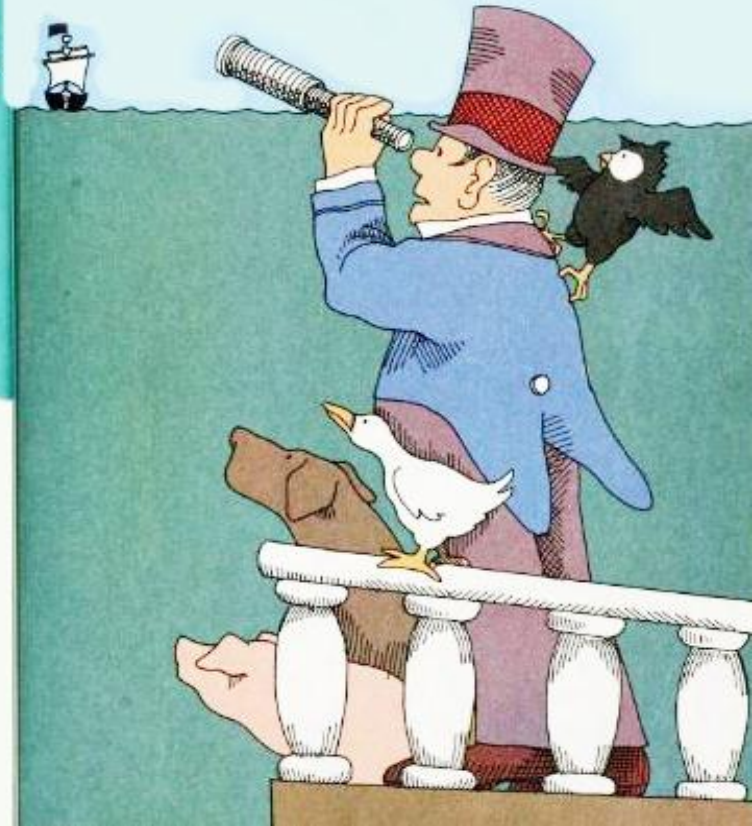
डॉक्टर इलिटिल अपने जानवरों के साथ अफ्रीका से वापिस लौट रहे थे. उस समय नाव पर पुशमी-पुल्यू पहरेदारी कर रही थी. “मुझे सामने से कोई खतरा दिखाई नहीं देता,” उसने अपने अगले सिर से देखते हुए कहा.



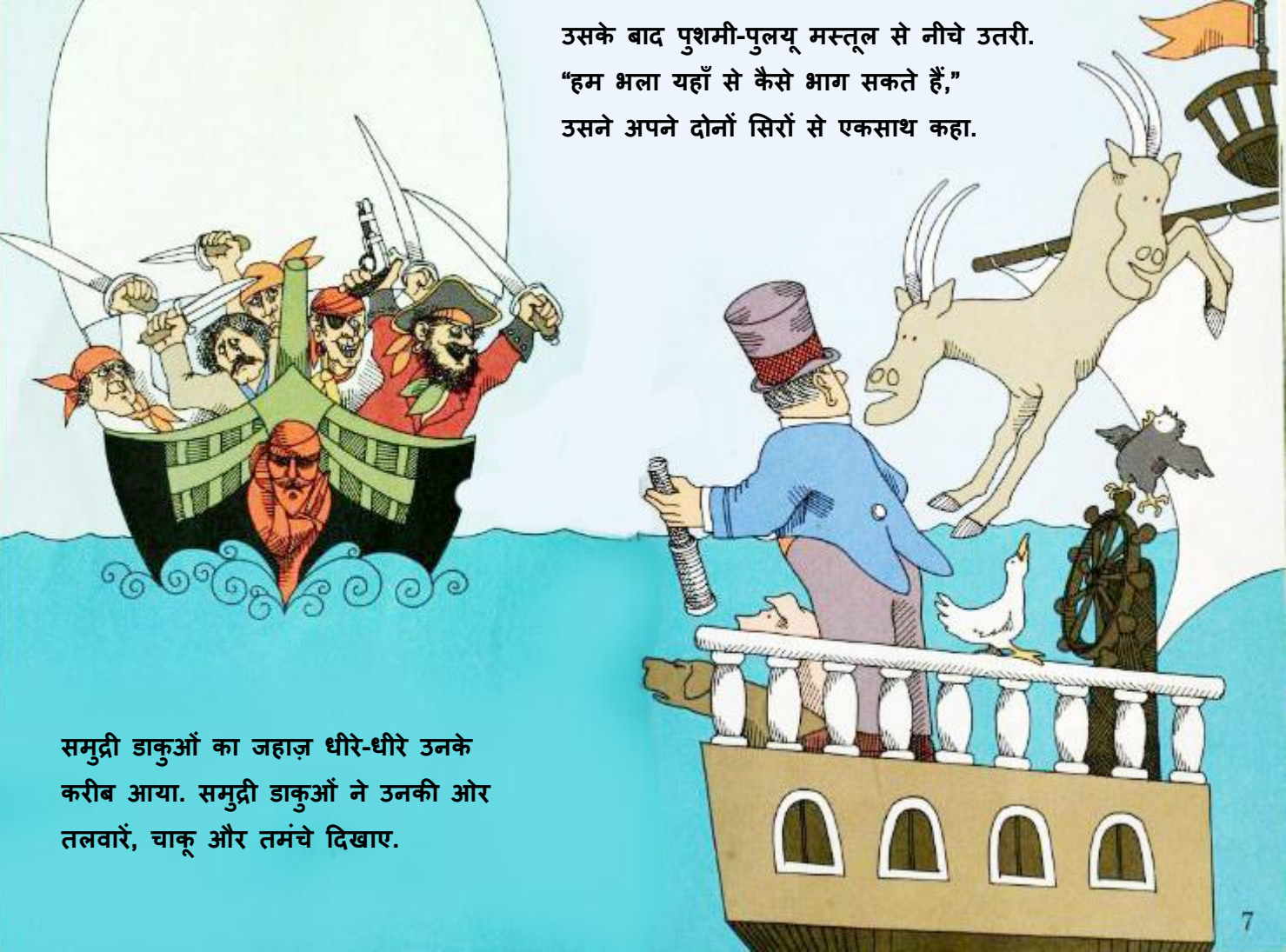


“पर मुझे पीछे की ओर कुछ खतरा दिखता है,”
पुशमी-पुल्यू ने अपने पिछले सिर से देखते हुए
कहा.

उसके बाद डॉक्टर इलिटिल ने अपनी दूरबीन से
देखा. “वो समुद्री डाकुओं का जहाज़ लगता है,”
उन्होंने कहा. “हमें यहाँ से जल्दी से निकल
जाना चाहिए!”



उसके बाद पुशमी-पुलयू मस्तूल से नीचे उतरी.
“हम भला यहाँ से कैसे भाग सकते हैं,”
उसने अपने दोनों सिरों से एकसाथ कहा.



समुद्री डाकुओं का जहाज़ धीरे-धीरे उनके
करीब आया. समुद्री डाकुओं ने उनकी ओर
तलवारें, चाकू और तमंचे दिखाए.

“तुम सभी लोग एक लम्बी सांस लो,” डॉक्टर इलिटिल ने कहा.

“फिर ज़ोर के साथ अपनी सांस को नाव की पाल पर छोड़ो.”

सब जानवरों ने वही किया.

पुशमी-पुल्यू ने सबसे ज़ोर से फूँका.

उसने अपने दोनों मुँह से फूँका.

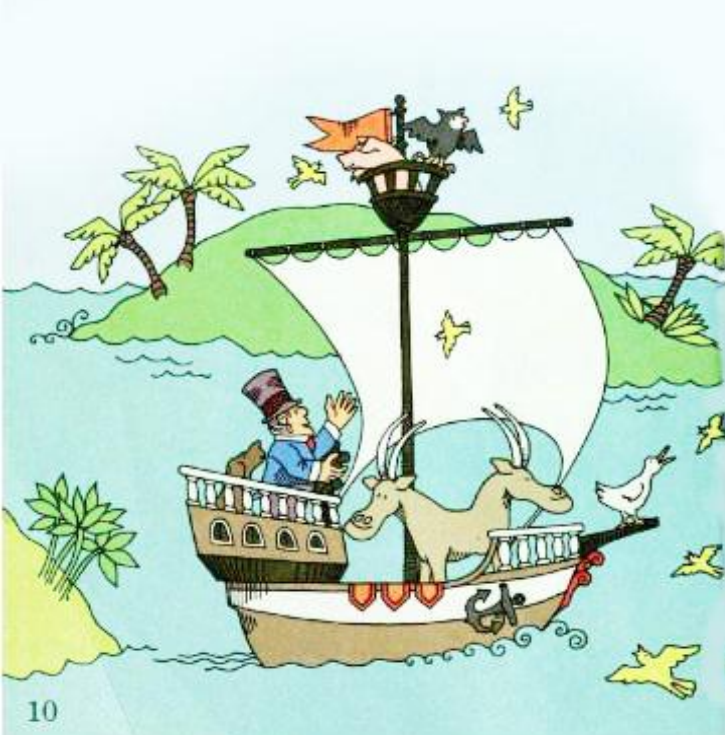
अब उनकी नाव तेज़ी से आगे बढ़ने लगी.

अब समुद्री डाकुओं का जहाज़ बहुत पीछे छूट गया.



कुछ देर बाद डॉक्टर झूलिटिल और
उनके साथी एक द्वीप पर पहुंचे.
कुछ चहचहाती चिड़ियों ने उड़कर उनका
स्वागत किया.

अरे! लगता है यह तो कैनरी द्वीप है.
मुझे यहाँ कैनरी चिड़ियों की
आवाजें सुनाई दे रही हैं.”
फिर वो अपनी नाव को तट तक ले गए.



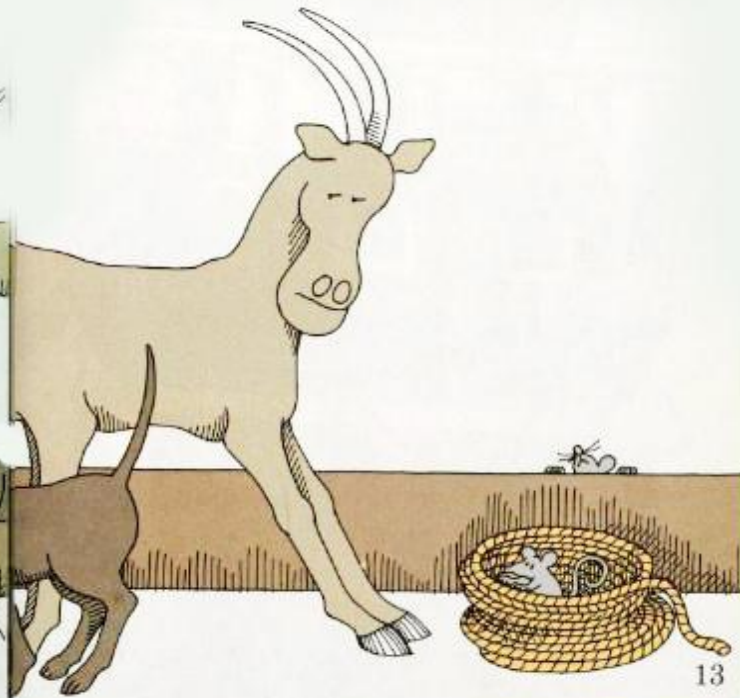
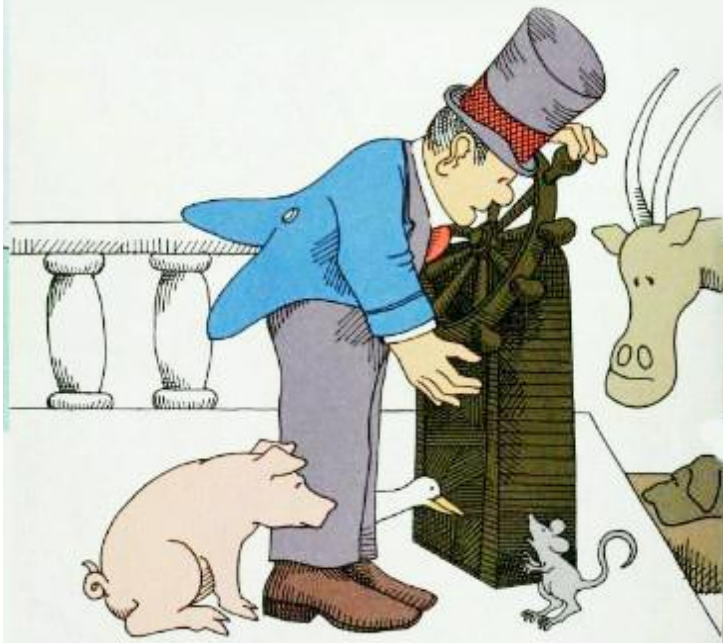
उसी समय एक छोटा काला चूहा नाव
के डेक पर दौड़ता हुआ गया।

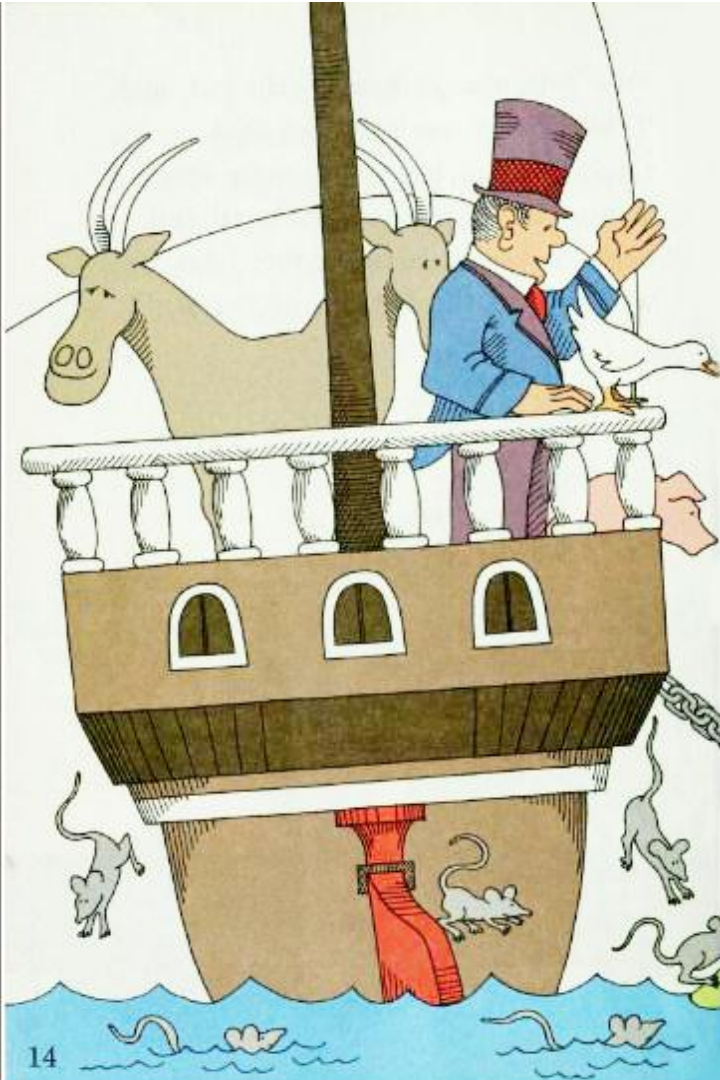
“मुझे माफ़ करें, डॉक्टर इलिटिल,” चूहे ने कहा।
“मैं आपको कुछ बताना चाहता हूँ। आपकी नाव
सुरक्षित नहीं है। वो खराब है। वो कुछ ही देर में
डूब जाएगी।

“तुम्हें यह कैसे पता?” डॉक्टर इलिटिल ने पूछा।

“चूहों को सब पता होता है,” चूहे ने कहा।

“जब कभी ऐसा होता है तो हमारी पूँछ में
झनझनाहट पैदा होती है, बिल्कुल वैसे ही जब
आपका पैर सो जाता है। हमारी पूँछ ने हमें यह
सन्देश दिया है, कि रात होने से पहले ही यह नाव
समुद्र की गर्त में डूब जाएगी!”





“चलो चूहे भाइयों,” वो चूहा चिल्लया.

“इस नाव से भागो, नहीं तो तुम भी डूब जाओगे!
मेरे पीछे-पीछे आओ!”

फिर हर दिशा से चूहे दौड़े आने लगे.

वो नाव से कूदकर ज़मीन पर भागने लगे.

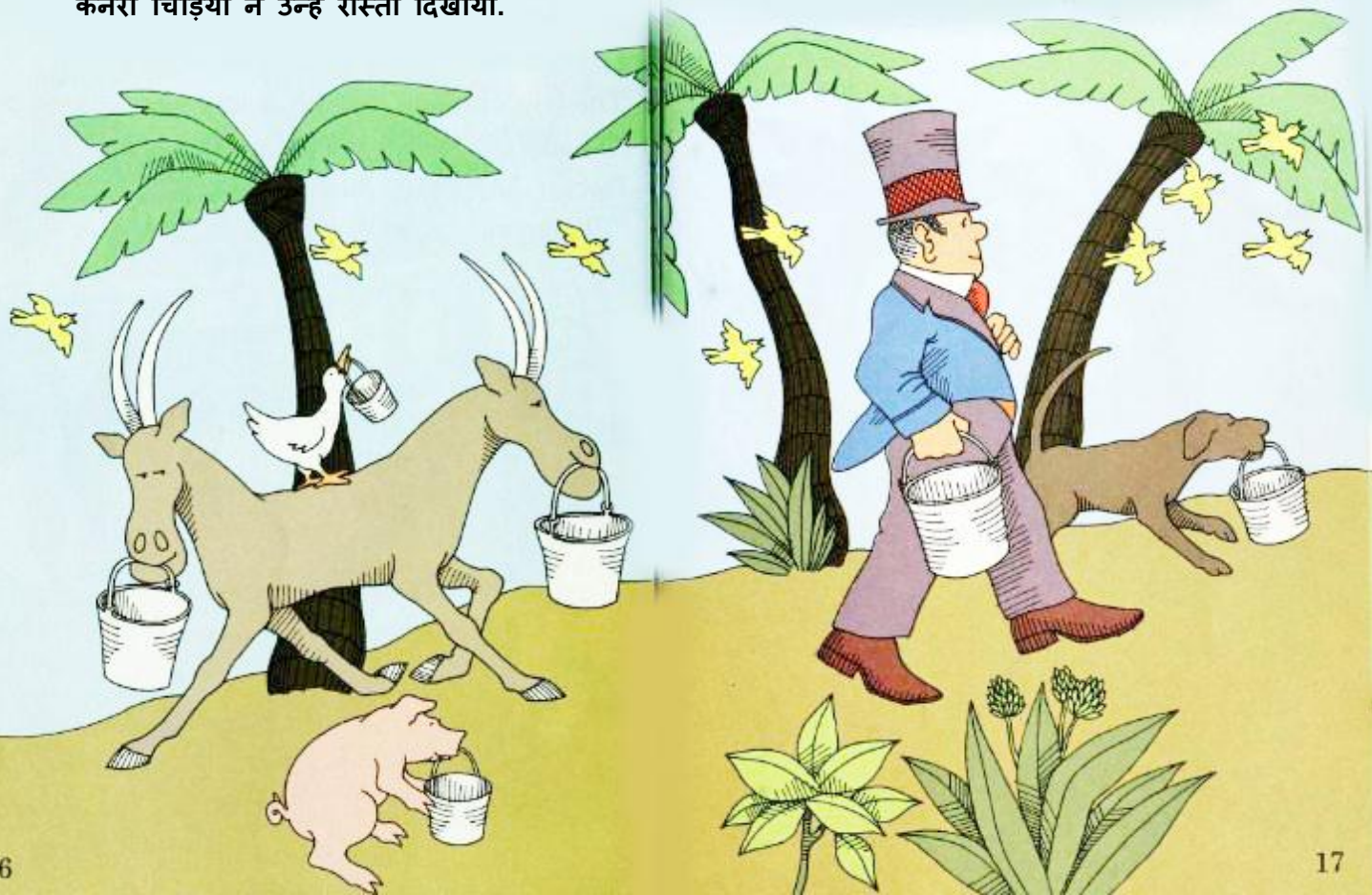
“हमें चेतावनी देने के लिए तुम्हारा बहुत शुक्रिया,”
डॉक्टर इलिटिल चिल्लाए.

“तुमने जो बताया उसे मैं याद रखूंगा.”



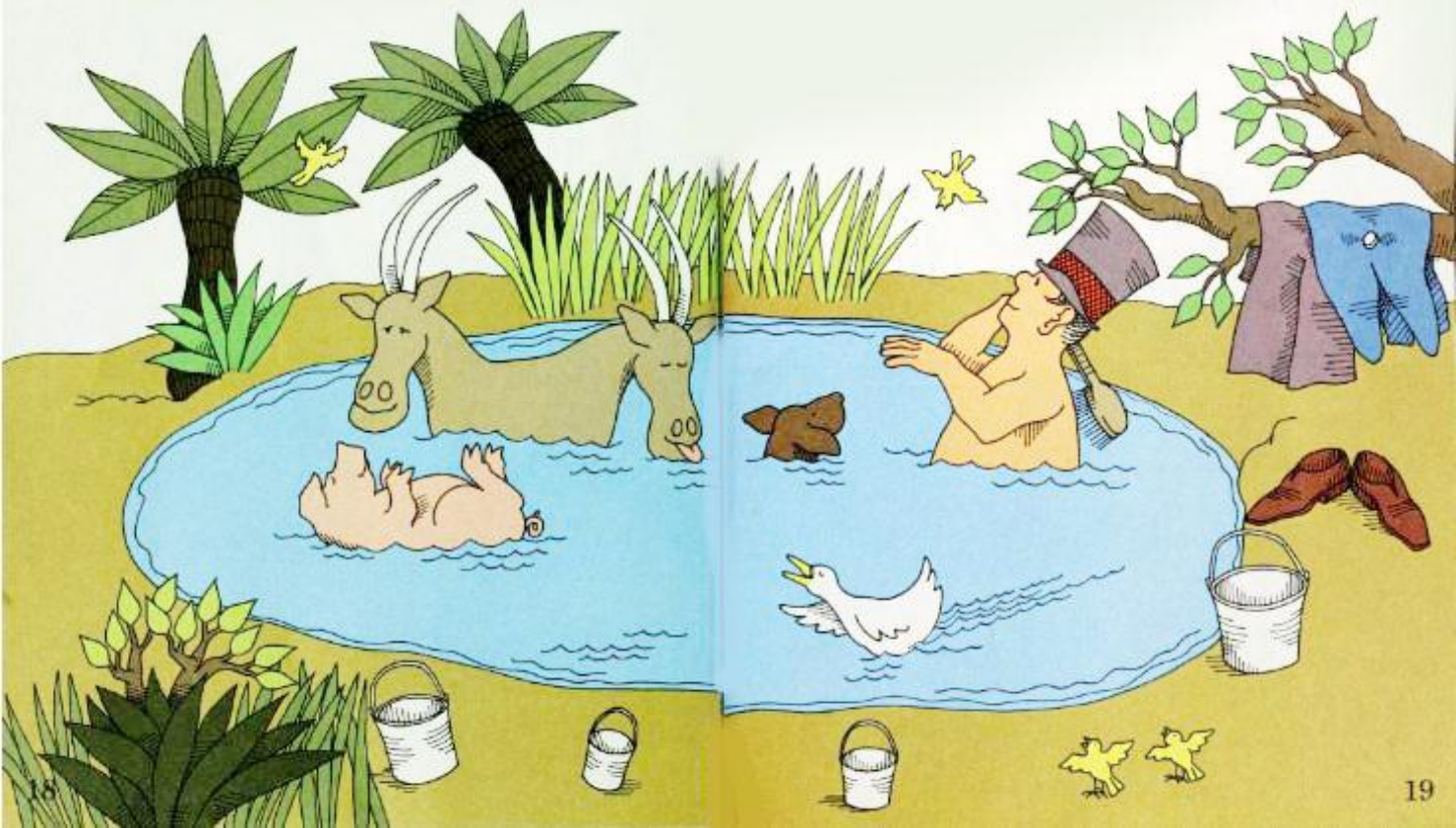
फिर डॉक्टर इलिटिल अपने जानवरों के
साथ तट पर उतरे.
कैनरी चिड़ियों ने उन्हें रास्ता दिखाया.

वे सभी गर्मी से प्यासे और भूखे थे.
वे बाल्टियाँ लेकर ताज़ा पानी लेने गए.



कैनरी चिड़िये उन्हें एक सुन्दर, ठण्डे, साफ़
पाने के ताल के पास ले गईं. वहां पर सब
नहाए, तैरे और उन्होंने अपनी थकान उतारी.

डॉक्टर इलिटिल भी नहाए.
पुशमी-पुलयू ने अपने दोनों मुहों से पानी पिया.
डब-डब बत्तख खुशी से चिल्लाने लगी.



उसके बाद कैनरी चिड़िये उन्हें एक सुन्दर
पहाड़ी पर ले गईं.

वहां पर चिड़ियों ने उन्हें अपने मधुर गीत
सुनाए. पर तभी अचानक टू-टू समुद्र तट
से उड़ता हुआ आया.

“डॉक्टर,” उसने कहा, “ज़रा जल्दी उठिए!”

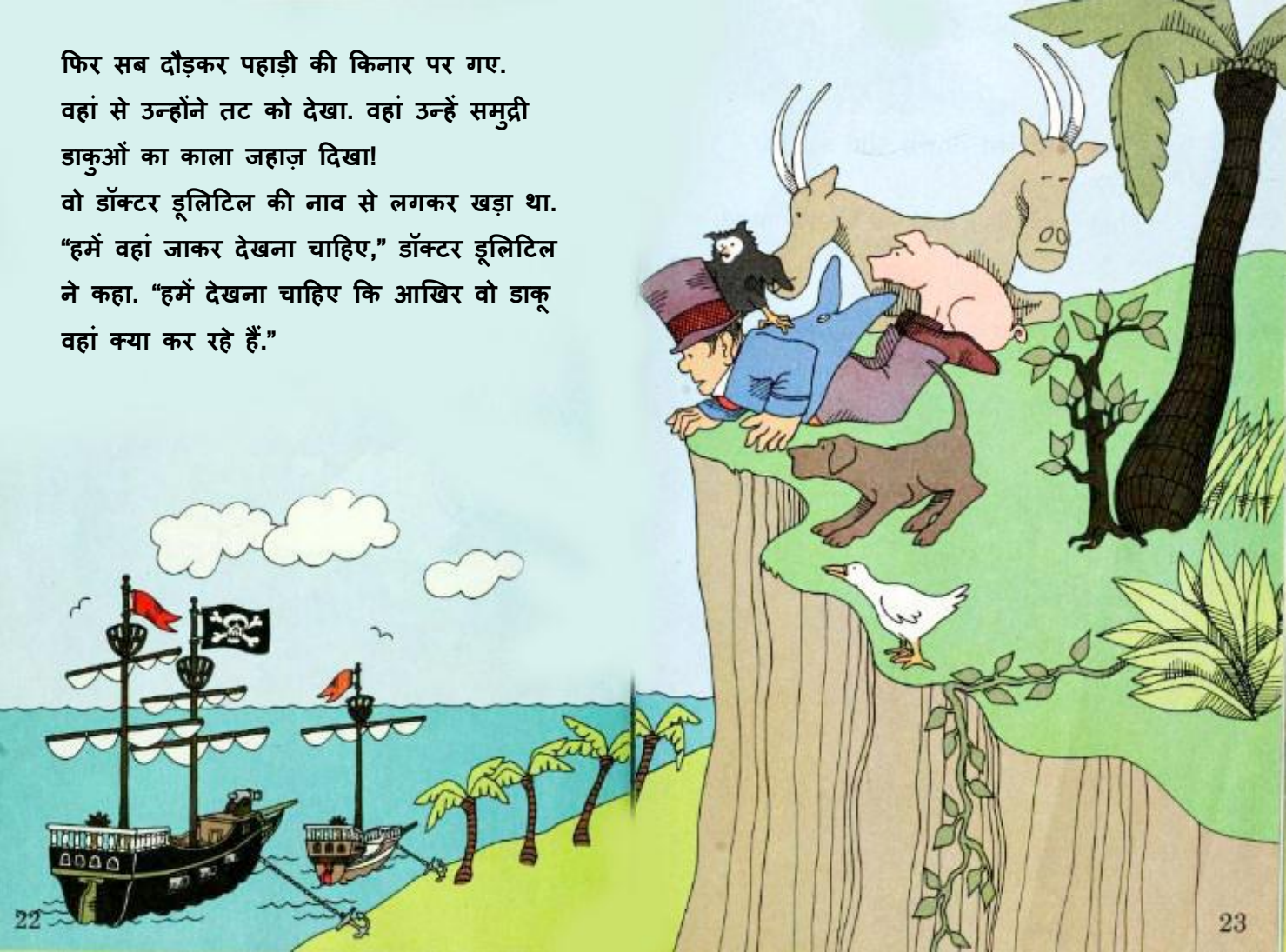
“क्या हमारी नाव डूब रही है?”

डॉक्टर इलिटिल ने पूछा.

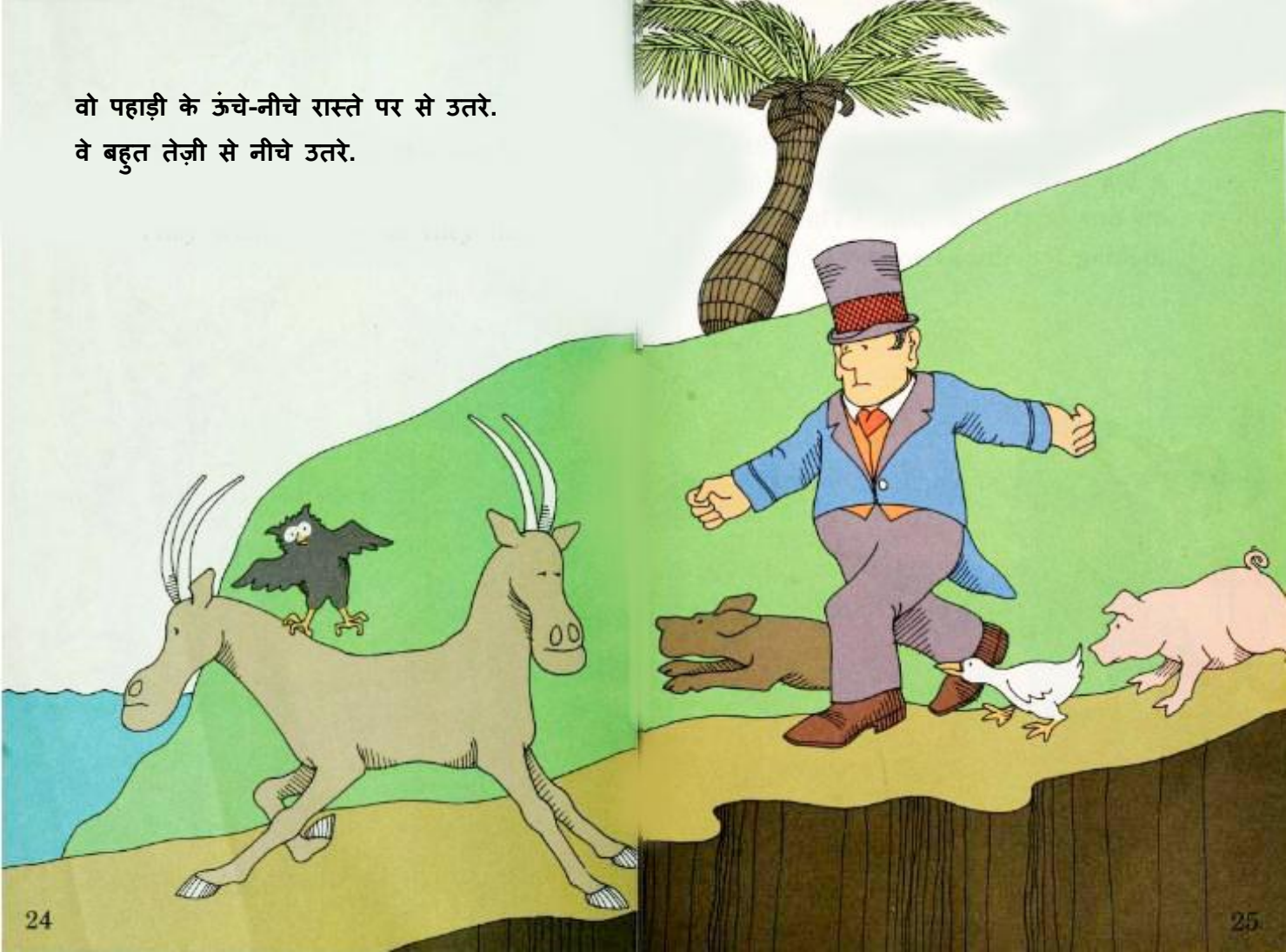
“अभी तो नहीं डूब रही है. पर वो समुद्री
डाकू अभी-अभी तट पर आकर उतरे हैं!
ज़रा आप आकर देखें!”



फिर सब दौड़कर पहाड़ी की किनार पर गए.
वहां से उन्होंने तट को देखा. वहां उन्हें समुद्री
डाकुओं का काला जहाज़ दिखा!
वो डॉक्टर इलिटिल की नाव से लगकर खड़ा था.
“हमें वहां जाकर देखना चाहिए,” डॉक्टर इलिटिल
ने कहा. “हमें देखना चाहिए कि आखिर वो डाकू
वहां क्या कर रहे हैं.”



वो पहाड़ी के ऊँचे-नीचे रास्ते पर से उतरे.
वे बहुत तेज़ी से नीचे उतरे.



पुशमी-पुल्यू सबसे पहले समुद्र तट पर पहुंची.
उसने एक बड़े पत्थर के पीछे छिपकर देखा.
“वो सभी डाकू अभी हमारी नाव में हैं!” उसने
कहा. “वो वहां चोरी करने के लिए सामान ढूंढ
रहे हैं.”



“उन्हें हमारी पुरानी नाव पर कब्ज़ा करने दो,”
डॉक्टर इलिटिल ने कहा.
“मेरे दिमाग में एक विचार आ रहा है.”

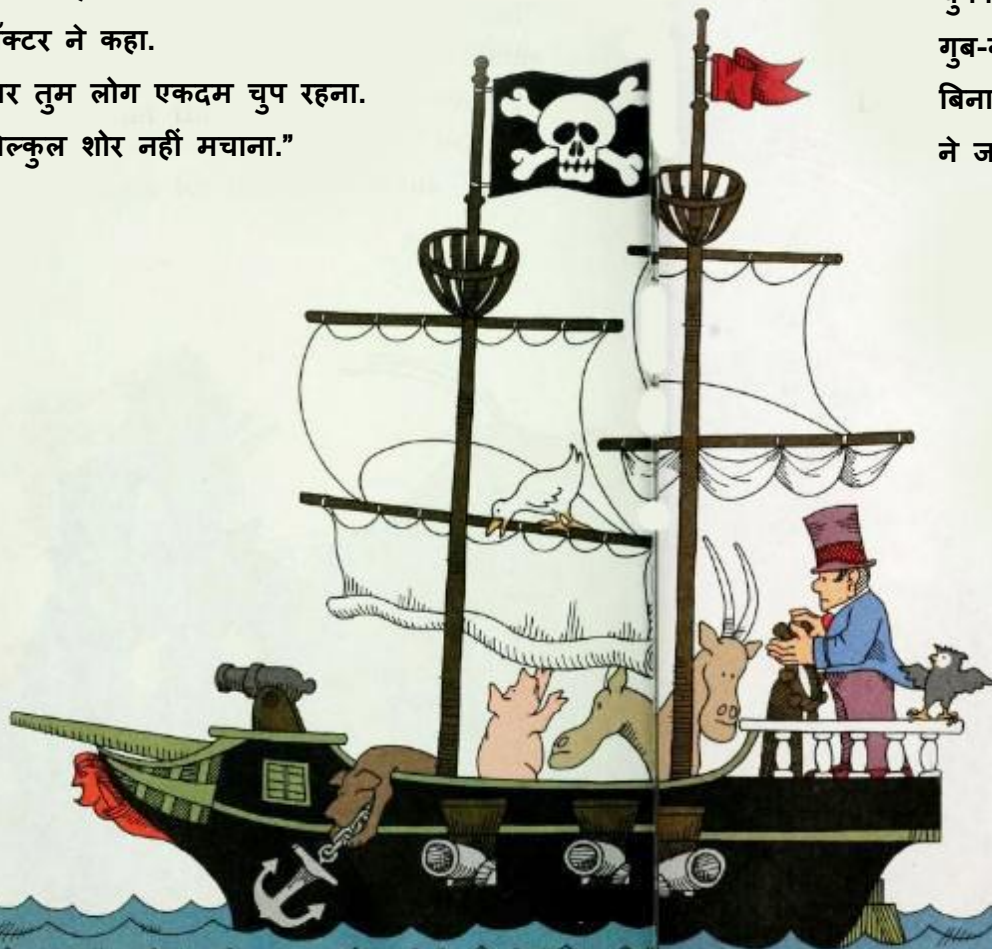


“हम क्यों न उनके बड़े जहाज़ पर सवार
होकर यहाँ से निकल जाएं?”
डॉक्टर ने कहा.

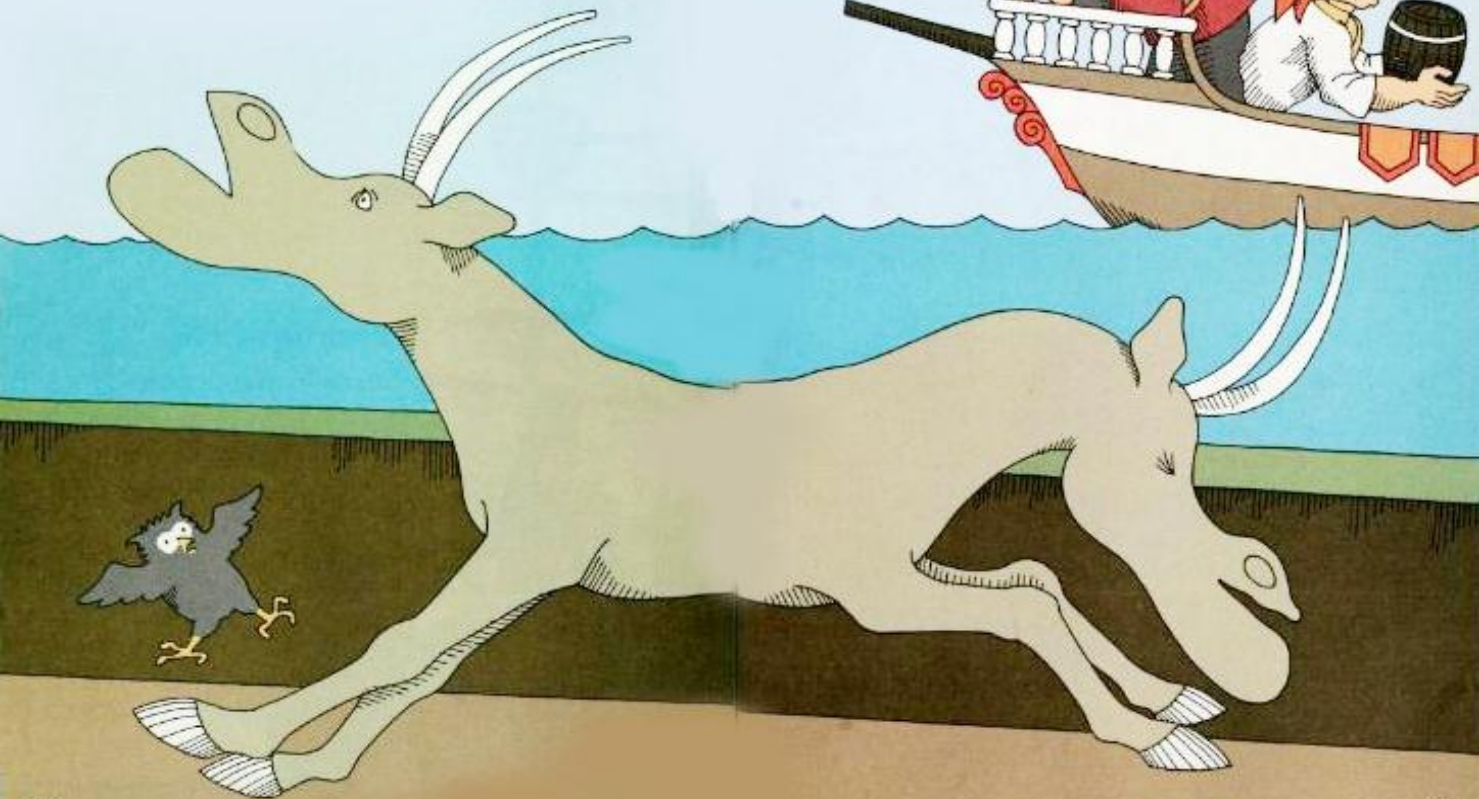
“पर तुम लोग एकदम चुप रहना.
बिल्कुल शोर नहीं मचाना.”

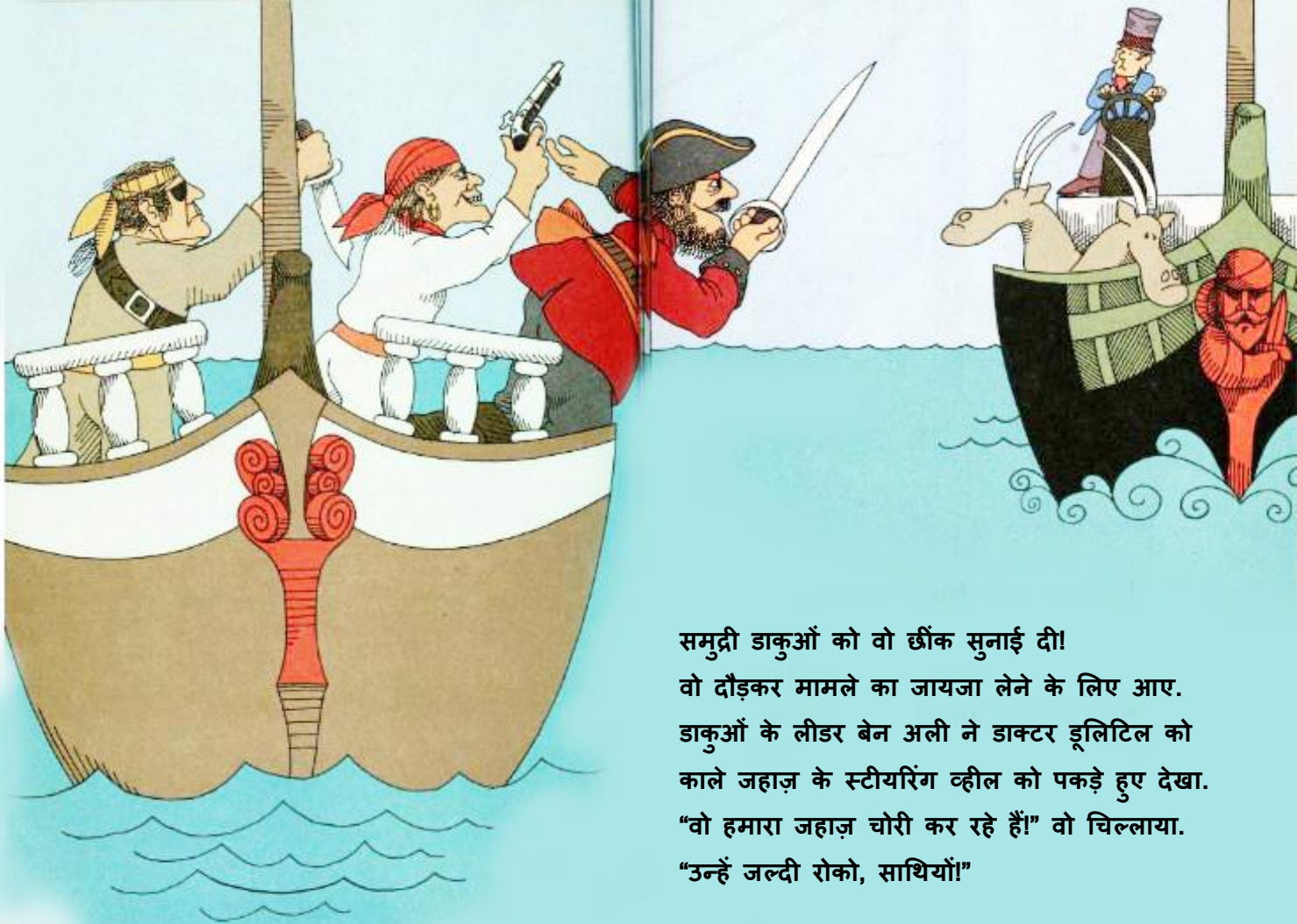
जिप ने जहाज़ के लंगर को
चुपके से उठाया. डब-डब और
गुब-गुब ने पाल तानी - एकदम
बिना शोर किए. डाक्टर इलिटिल
ने जहाज़ का स्टीयरिंग संभाला.

फिर एक भयानक
घटना घटी.....



पुशमी-पुलयू को
छींक आ गई !





समुद्री डाकुओं को वो छींक सुनाई दी!
वो दौड़कर मामले का जायजा लेने के लिए आए.
डाकुओं के लीडर बेन अली ने डाक्टर इलिटिल को
काले जहाज़ के स्टीयरिंग व्हील को पकड़े हुए देखा.
“वो हमारा जहाज़ चोरी कर रहे हैं!” वो चिल्लाया.
“उन्हें जल्दी रोको, साथियों!”



तुरंत डाकुओं ने लम्बी रस्सियाँ पकड़कर फेंकी.
 वो छोटी नाव से बड़े जहाज़ पर चढ़े.
 उन्होंने अपनी तलवारें, चाकू और तमंचे दिखाए.

बेन अली चिल्लाया,
 “तुम मेरे बड़े जहाज़ के साथ भाग रहे थे, क्यों?
 अब मेरी बात सुनो! मुझे अपने सारे पैसे दो,
 नहीं तो मैं तुम्हें समुद्र में फेंक दूंगा.”

फिर बेन अली ने डब-डब और गुब-गुब को देखा.

“यह कौन हैं?” वो चिल्लाया.

“एक मोटी बत्तख और एक मोटा सूअर!

साथियों इन्हें पकड़ो.

आज रात हम इन्हें खाने में पकाएंगे.”



यह सुनकर डब-डब और गुब-गुब

डर से कांपने लगे.

उन्होंने डॉक्टर से प्रार्थना की,

“कृपा हमें इन दुष्ट डाकुओं से बचा लें.

नहीं तो वो हमें खा जायेंगे!”





“देखो, बेन अली,” डाक्टर इलिटिल ने कहा.
“तुम्हें हमारे पैसे चाहिए. उन्हें ले लो!
सारे पैसे हमारी नाव में रखे हैं.
नाव में सोने से भरा एक संदूक भी है.”

तभी टू-टू डॉक्टर के कान में फुसफुसाया,
“डॉक्टर, इन डाकुओं को किसी तरह अपनी
नाव पर वापिस भेजो. नाव जल्दी ही डूब जाएगी.
उसके साथ यह दुष्ट डाकू भी समुद्र
में समा जायेंगे.”

“यह बहुत अच्छा आईडिया है!” डॉक्टर ने कहा.
“मैं अपनी पूरी कोशिश करूंगा.”





यह सुनकर बेन अली डाकुओं पर चिल्लाया,
 “चलो साथियों, उस छोटी नाव पर वापिस चलो!
 उसमें सोने से भरा एक संदूक भी है.”

यह सुनकर बाकी डाकू खुशी से चिल्लाए.
 वे जहाज़ के मस्तूल से फिसलते हुए नीचे आए.
 फिर वे छोटी नाव में वापिस चढ़े.

फिर उन डाकुओं ने डाक्टर इलिटिल
की नाव का चप्पा-चप्पा छान मारा.
उन्होंने सब जगह सोना खोजा.

तभी कुछ हुआ.
बेन अली ने डेक पर देखा.
डेक पर से पानी निकल रहा था.
पानी के फव्वारे हवा में उड़ रहे थे!

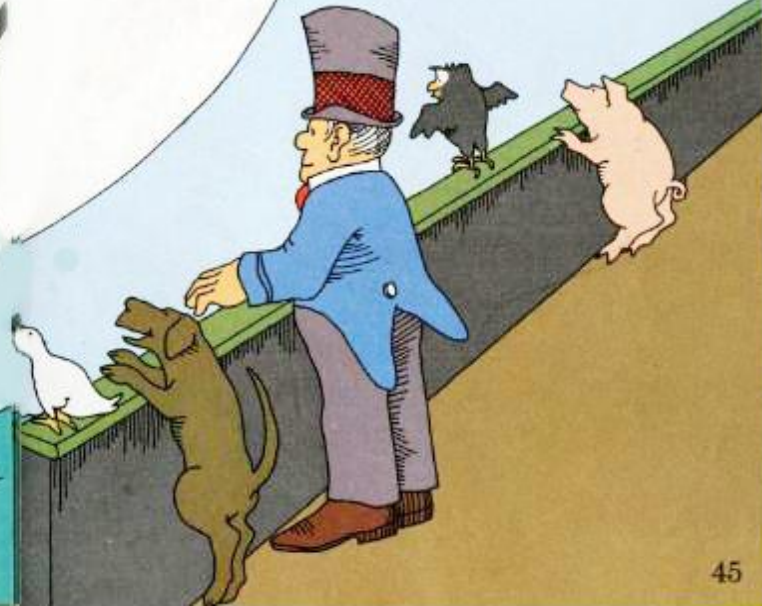


धीरे-धीरे पानी का लीक बड़ा और तेज़ हुआ.
फव्वारों की धारें और तेज़ी से ऊपर उठने लगीं.
डॉक्टर की पुरानी नाव डूबने लगी.



डाक्टर इलिटिल और उनके जानवरों ने
यह सब देखा.

“वाह! बहुत बढ़िया!” जिप चिल्लाया.
“वो नाव बिल्कुल वैसे ही डूब रही है
जैसे कि उस चूहे ने बताया था.”

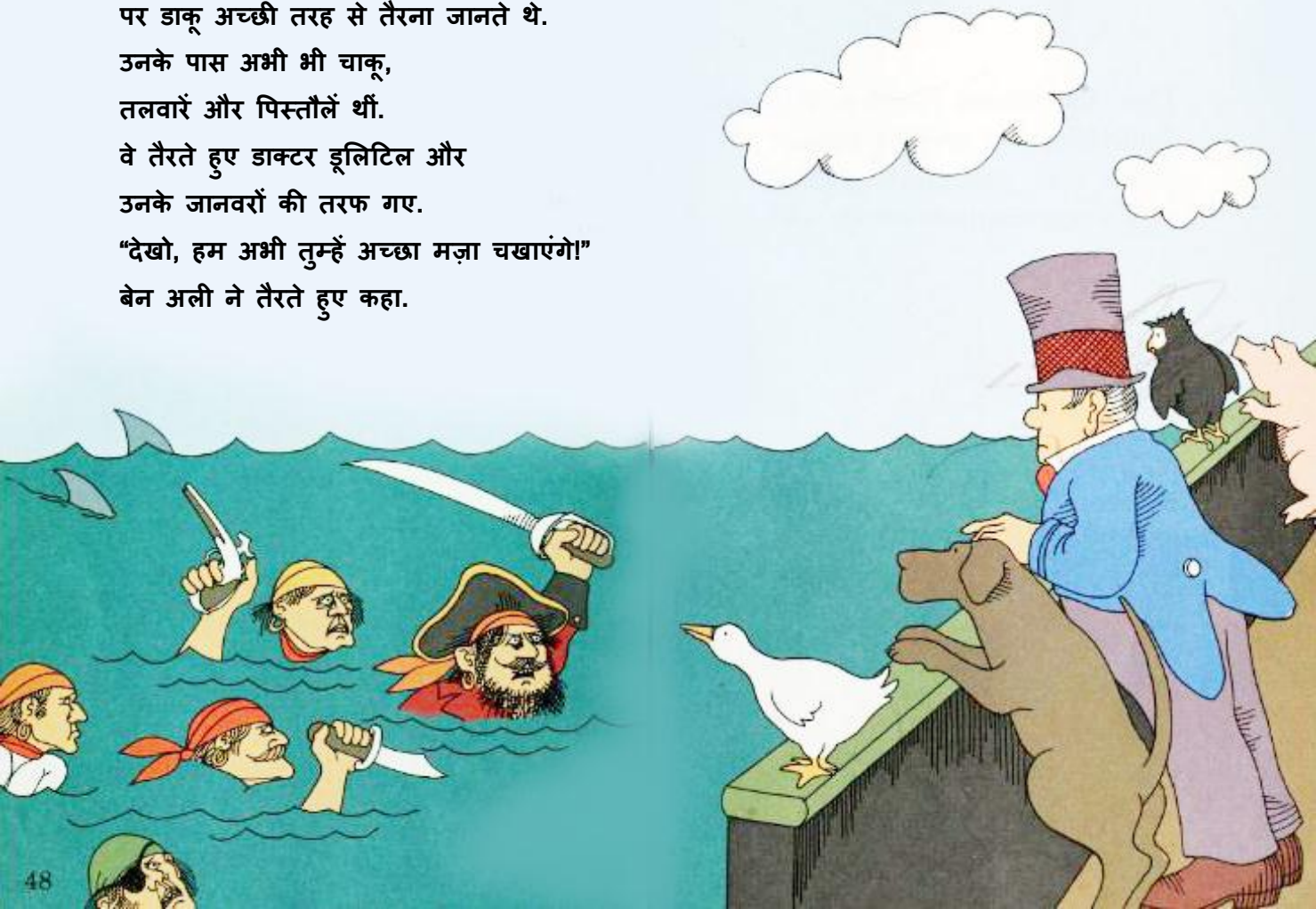




फिर बेन अली और उसके
डाकू साथी समुद्र में कूदे.
डॉक्टर की पुरानी नाव अब
समुद्र की गहराईयों में डूब गई.
डूबते हुए नाव ने खूब आवाज़ की.



पर डाकू अच्छी तरह से तैरना जानते थे.
उनके पास अभी भी चाकू,
तलवारें और पिस्तौलें थीं.
वे तैरते हुए डाक्टर इलिटिल और
उनके जानवरों की तरफ गए.
“देखो, हम अभी तुम्हें अच्छा मज़ा चखाएंगे!”
बेन अली ने तैरते हुए कहा.



तभी वो डाकू डर से चिल्लाए.

कोई उनका पीछा कर रहा था.

“ज़रा देखो!” उनमें से एक डाकू चिल्लाया.

“देखो बड़ी शार्क हमारा पीछा कर रही है!”

“एक नहीं, कई शार्क्स हैं!”

बेन अली चिल्लाया.

“बचाओ!

शार्क्स हमारा पीछा कर रही हैं!”



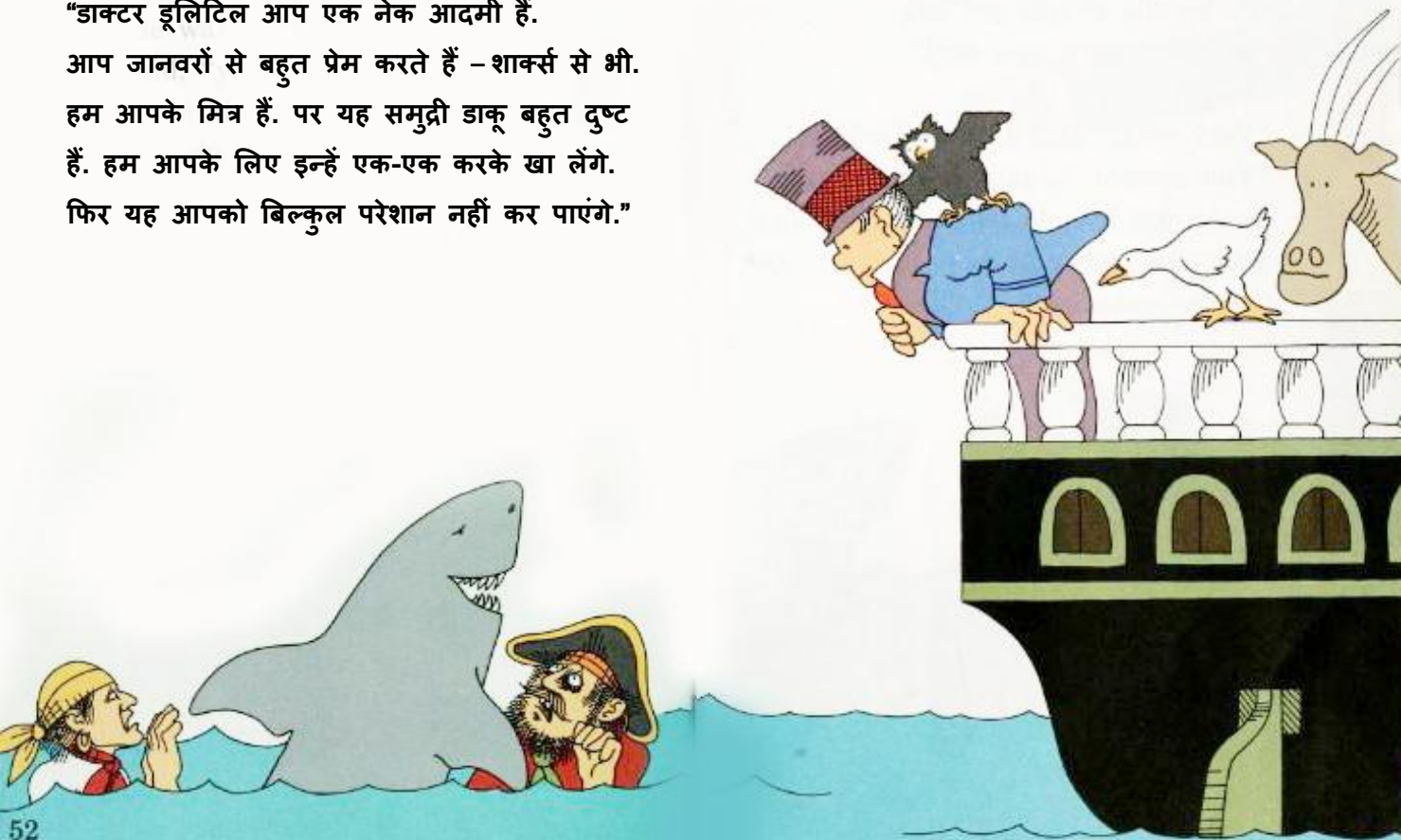
उनमें से एक शार्क ने अपनी नाक
पानी के बाहर निकाली और कहा.

“डाक्टर इलिटिल आप एक नेक आदमी हैं.

आप जानवरों से बहुत प्रेम करते हैं – शार्क्स से भी.

हम आपके मित्र हैं. पर यह समुद्री डाकू बहुत दुष्ट
हैं. हम आपके लिए इन्हें एक-एक करके खा लेंगे.

फिर यह आपको बिल्कुल परेशान नहीं कर पाएंगे.”

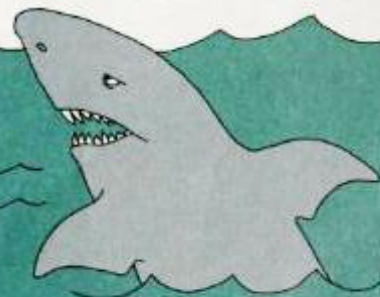
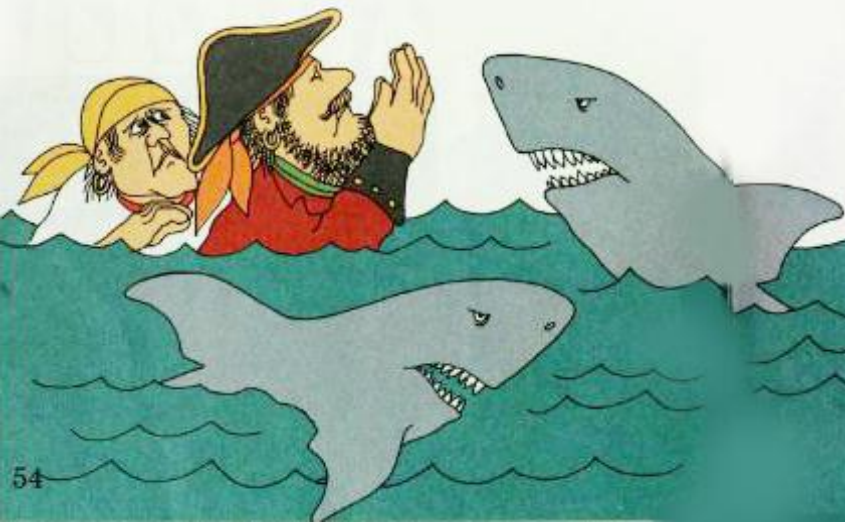


“हम पर रहम करो,” बेन अली ने रोते हुए कहा.
“इन शाक्स से हमें बचाओ!
आप जो भी कहेंगे हम वो करेंगे!”

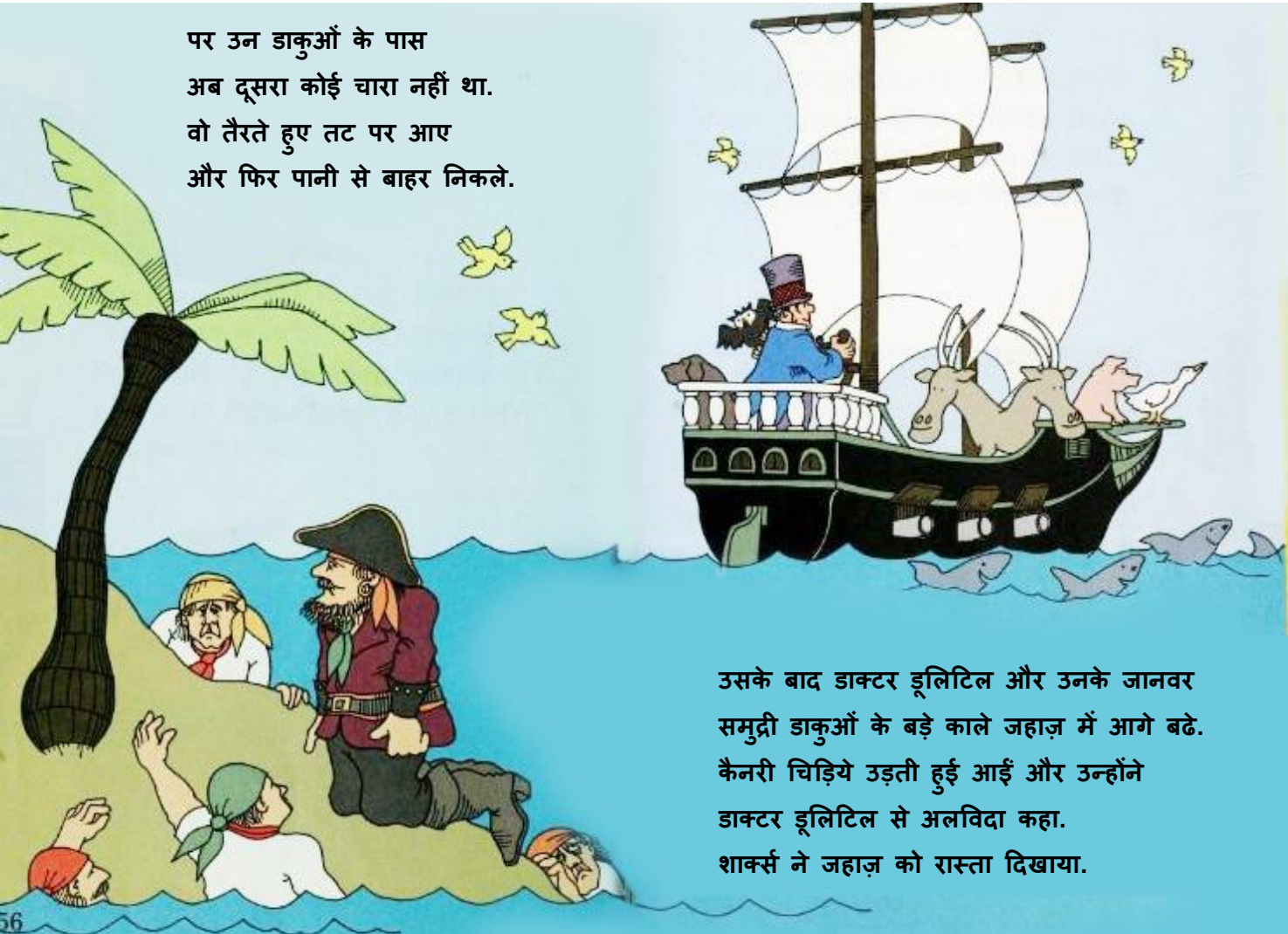
“चलो ठीक है,” डाक्टर इलिटिल ने कहा.
“अब से तुम समुद्री डाकुओं का पेशा छोड़ो.
और समुद्र के किनारे ज़मीन पर रहो.
वहां पर तुम कैनरी चिड़ियों के खाने के लिए
बीजों की खेती करो.”



“चिड़ियों के लिए चुग्गा!”
यह सुनकर डाकू चिल्लाए.
“हम डाकुओं को यह काम
शोभा नहीं देता!”



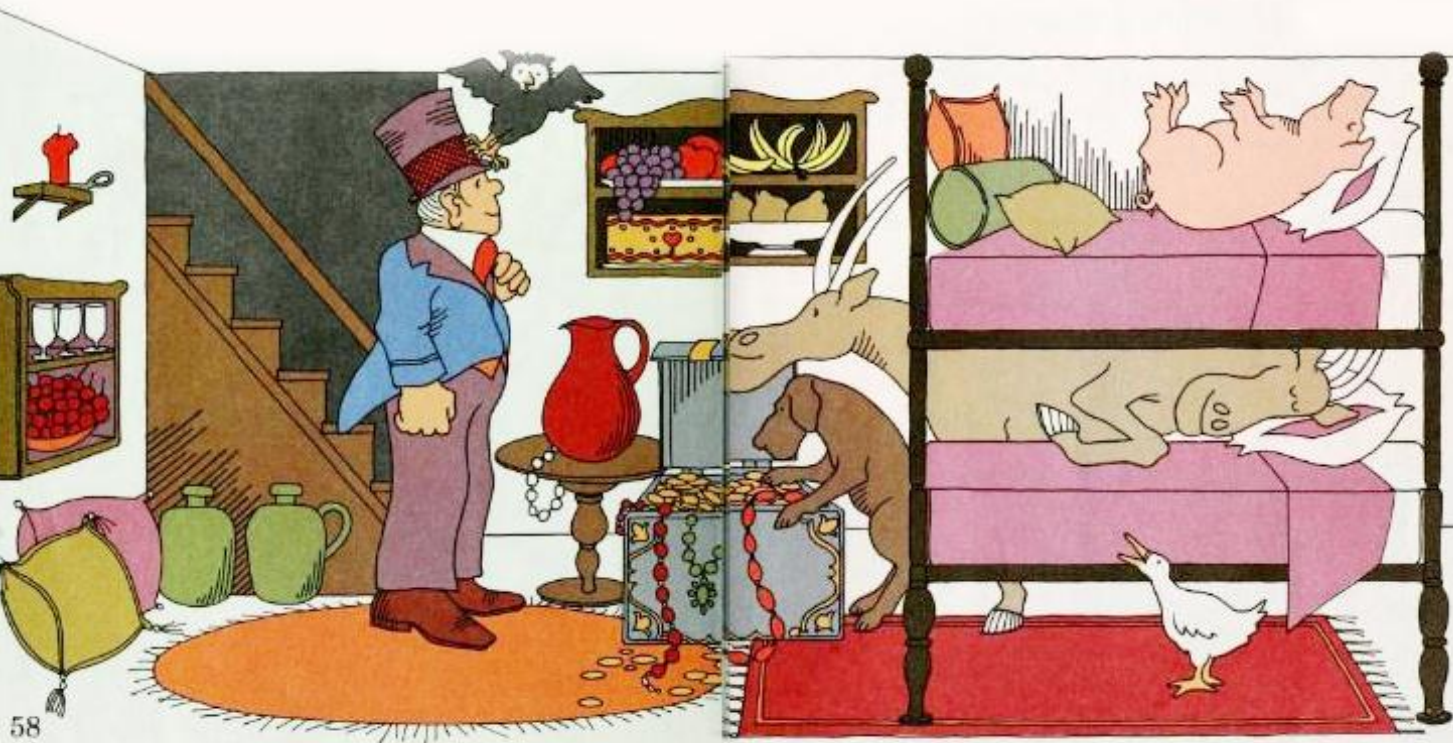
पर उन डाकुओं के पास
अब दूसरा कोई चारा नहीं था.
वो तैरते हुए तट पर आए
और फिर पानी से बाहर निकले.



उसके बाद डाक्टर इलिटिल और उनके जानवर
समुद्री डाकुओं के बड़े काले जहाज़ में आगे बढे.
कैनरी चिड़िये उड़ती हुई आईं और उन्होंने
डाक्टर इलिटिल से अलविदा कहा.
शाक्स ने जहाज़ को रास्ता दिखाया.

उसके बाद डाक्टर डूलिटल और उनके
पालतू जानवर कप्तान के केबिन में गए.
"यह तो बेहद सुन्दर है!" टू-टू चिल्लाया.
"यहाँ तो कीमती, मोटे और
मुलायम कालीन बिछे हैं."

वहाँ सभी पलंगों पर रेशमीन चादरें बिछी थीं.
वहाँ सोने और सिक्कों से भरे संदूक रखे थे.
वहाँ खाने के लिए अच्छी-अच्छी चीज़ें रखीं
थीं!



खाना खाने के बाद डॉक्टर और उनके जानवर डेक पर गए.

पुशमी-पुल्यू मस्तूल के ऊपर खड़ी थी.

“मुझे आगे कोई भी खतरा नज़र नहीं आ रहा है,”

उसने अपने आगे वाले सिर से कहा.

“मुझे पीछे भी कोई भी खतरा नज़र नहीं आ रहा है,”

उसने अपने पीछे वाले सिर से कहा.

“फिर,” डाक्टर इलिटिल ने कहा, “हम लोग

सुरक्षित इंग्लैंड पहुँच जायेंगे.”

और वही हुआ.

अंत

